

लोकप्रिय इकोटूरिज्म स्थलों पर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रति भारतीयों की जागरूकता का समग्र दृष्टिकोण

डॉ. अनु अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर (भूगोल), कला/शिल्प और सामाजिक विज्ञान संकाय, टांटियाँ विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर, राजस्थान, भारत

श्री अनिल कुमार, शोधार्थी (भूगोल), कला/शिल्प और सामाजिक विज्ञान संकाय, टांटियाँ विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर, राजस्थान, भारत

1. सारांश

इकोटूरिज्म को एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है जो देश के समग्र पर्यटन क्षेत्र को बढ़ाता है। इकोटूरिज्म प्राकृतिक क्षेत्रों की यात्रा से संबंधित है ताकि वे पर्यावरण के सांस्कृतिक और प्राकृतिक इतिहास को संरक्षित और महत्व दे सकें। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की देखभाल करना और पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता को परेशान न करना है। इस प्रकार से इकोटूरिज्म कारक बढ़ने से आर्थिक अवसर पैदा करने में भी मदद मिलती है जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुदृढ़ीकरण से संबंधित गतिविधियों में संलग्न होते हैं।

इस शोध पत्र का लक्ष्य देश के भीतर लोकप्रिय इकोटूरिज्म की अवधारणा के प्रति भारतीय निवासियों के समग्र दृष्टिकोण और मांग का पता लगाना है।

इस शोध पत्र का उद्देश्य इस तथ्य का पता लगाना है कि भारतीय निवासी इकोटूरिज्म अवधारणा के बारे में कितने जागरूक हैं और वे इस अवधारणा को कैसे समझते हैं। वांछित और विश्वसनीय परिणाम प्राप्त करने के लिए वर्तमान अध्ययन में मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों तरीकों को नियोजित किया गया है। शोध के नतीजे

इस तथ्य पर प्रकाश डालते हैं कि देश के अधिकांश निवासी इकोटूरिज्म की अवधारणा के बारे में जानते हैं।

2. शोध के उद्देश्य

इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत में इकोटूरिज्म के प्रति निवासियों के रवैये और मांग का विश्लेषण करना है। इसके अलावा, यह भारत में कुछ लोकप्रिय पारिस्थितिक पर्यटन स्थलों पर उन वैध कारणों के साथ ध्यान केंद्रित करता है जिनके कारण वे लोकप्रिय हैं। पर्यटन उद्योग का रुझान प्रकृति आधारित पर्यटन की ओर बढ़ रहा है क्योंकि इसमें पर्यटकों को हर संभव तरीके से उल्लेखनीय अनुभव प्रदान करने की क्षमता है और यह हर संभव तरीके से विकास उपकरण के रूप में कार्य करता है। भारत में इकोटूरिज्म की वर्तमान स्थिति और मांग को जानने के लिए पिछले शोध अध्ययनों पर विचार किया गया है। इसके अलावा, शोध से जुड़े प्रमुख लक्ष्यों को पूरा करने के लिए टूर ऑपरेटरों के साथ-साथ विभिन्न स्थानों से भी डेटा एकत्र किया गया है।

3. परिकल्पना

इकोटूरिज्म एक अवधारणा के रूप में आधुनिक युग में विकसित हुआ है, जहां पर्यावरण की रक्षा में इसका योगदान काफी अधिक है। संक्षेप में, इस अवधारणा को हर संभव तरीके से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से हर देश द्वारा अपनाया गया है। विश्लेषण किया गया कि एक इकोटूरिज्म उद्यम विकसित करना जटिल माना जाता है और इसमें व्यवसाय के बुनियादी सिद्धांतों के साथ-साथ बाजार सिद्धांतों की समझ को भी ध्यान में रखा जाता है जो स्थानीय समुदायों के साथ मजबूत संबंध बनाने का कार्य करता है।

इसके अलावा, लोगों को इकोटूरिज्म प्रथाओं को बढ़ाने का भी समर्थन है क्योंकि वे जानते हैं कि विभिन्न पर्यटन की यात्रा से उन्हें जगह के बारे में जागरूक लोगों से

संपर्क करने का मौका मिल सकता है। यह एक और आयाम है जिसके माध्यम से पर्यटन में श्रेणियों को बढ़ाया जा सकता है। चूंकि, इकोटूरिज्म का मूल्य बढ़ रहा है; इसलिए सरकार प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण में भी भारी संसाधन खर्च कर रही है।

इस शोध कार्य में निम्नलिखित परिकल्पनाओं पर विचार किया गया है :-

H1:—इकोटूरिज्म पर्यावरण के सांस्कृतिक और प्राकृतिक इतिहास को संरक्षित करने और उसकी सराहना करने के लिए प्राकृतिक क्षेत्रों की यात्रा को बढ़ावा देकर देश के पर्यटन क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है, जबकि इसका उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित आर्थिक अवसर पैदा करना भी है।

H2:—इकोटूरिज्म स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के विकल्प उत्पन्न करता है, जिसका लक्ष्य जिम्मेदार यात्रा को बढ़ावा देना और आय के अवसर उत्पन्न करना है जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्रोत्साहित करते हैं, जिसमें सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन जैसी गतिविधियां शामिल हैं जो सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर जोर देती हैं।

4. अनुसंधान पद्धति

यह शोध पत्र भारत में इकोटूरिज्म के लिए लोगो के रवैये और मांग का विश्लेषण करने पर केंद्रित है। अध्ययन के मुख्य लक्ष्यों को पूरा करने के लिए घटना विज्ञान अनुसंधान रणनीति अपनाई गई है। इस रणनीति को चुनने के पीछे मुख्य कारण उन प्रमुख कारकों को समझना है जो भारत में कुछ लोकप्रिय पारिस्थितिक पर्यटन स्थलों के साथ-साथ इस अवधारणा के विकास में सहायक हैं।

संपूर्ण अनुसंधान के संचालन के लिए फेनोमेनोलॉजी सीधे तौर पर संभव है। शोधकर्ता ने विभिन्न टूर ऑपरेटर्स, गाइडों और लोगो से संपर्क किया है ताकि सही मात्रा में

प्राथमिक डेटा प्राप्त किया जा सके। इस शोध रणनीति के माध्यम से शोधकर्ता के लिए इकोटूरिज्म की अवधारणा को बेहतर तरीके से समझना संभव है।

प्राथमिक जानकारी एकत्र करने के लिए अपनाई गई प्रमुख विधियाँ शामिल हैं:—

प्रश्नावली और साक्षात्कार। इसके अलावा, शोधकर्ता ने किताबों, पत्रिकाओं और ऑनलाइन लेखों की मदद से माध्यमिक जानकारी एकत्र की है।

साक्षात्कार :—शोध के लिए लाभदायक जानकारी को रिकार्ड करने के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, भारत में कार्यरत कुछ टूर ऑपरेटरों से संपर्क किया गया है ताकि इकोटूरिज्म प्रथाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सके। साक्षात्कार के माध्यम से टूर ऑपरेटरों से इकोटूरिज्म प्रथाओं के प्रति उनकी धारणा जानने के लिए कई प्रश्न पूछे गए हैं और इस अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए उनके द्वारा क्या पहल की गई है।

प्रश्नावली :—एक उपकरण के रूप में प्रश्नावली में उत्तरदाताओं से डेटा प्राप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रश्न शामिल होते हैं। वर्तमान अध्ययन में सभी उत्तरदाता यानी भारतीय निवासी भारत में स्थित हैं। इसलिए, इकोटूरिज्म के प्रति भारतीय निवासियों के रुझान और मांग को जानने के लिए प्रश्नावली की मदद से डेटा प्राप्त करना फायदेमंद है। यह उपकरण जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनाया गया है क्योंकि इसे सर्वेक्षण या किसी अन्य तकनीक की तुलना में अधिक सुविधाजनक माना जाता है।

अनुसंधान उपागम

संपूर्ण शोध विशेष रूप से भारतीय इकोटूरिज्म बाजार पर किया गया है, जहां मुख्य ध्यान निवासियों के रवैये और इकोटूरिज्म की मांग को समझने पर है। आगमनात्मक दृष्टिकोण का चयन किया गया है जहां अनुसंधान भारत के निवासियों के दृष्टिकोण से भारत में पारिस्थितिक पर्यटन पर केंद्रित है।

भारत के पारिस्थितिक पर्यटन बाजार का पता लगाने के लिए भारतीय निवासियों से विशिष्ट जानकारी एकत्र की गई है।

अनुसंधान डिजाइन

शोध से जुड़े नए विचारों की खोज के लिए खोजपूर्ण डिजाइन का चयन किया गया है। इस डिजाइन के माध्यम से इकोटूरिज्म से जुड़े नए विचारों का पता लगाया गया है जैसे कि वास्तविक कारक क्या हैं जिनके कारण इकोटूरिज्म के प्रति भारतीय लोगों के रुझान के साथ-साथ इकोटूरिज्म की मांग बढ़ रही है। इस डिजाइन को शुरू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य इकोटूरिज्म से जुड़े नए विचारों और तथ्यों का पता लगाना है।

डेटा संग्रहण

डेटा संग्रह को एक व्यवस्थित प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जहां अध्ययन के चर के संबंध में पर्याप्त, सटीक और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न तकनीकों और स्रोतों का उपयोग किया जाता है। डेटा संग्रह की प्रक्रिया को किसी शोध का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा भी माना जाता है और इसके पीछे तर्क यह है कि यह प्रक्रिया शोधकर्ता को सर्वोत्तम संभव तरीके से शोध प्रश्न का उत्तर देने में सक्षम बनाती है। इसके अलावा, डेटा संग्रह की प्रक्रिया भी परिकल्पना का परीक्षण करने और अध्ययन के विभिन्न परिणामों का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डेटा विश्लेषण

डेटा विश्लेषण के अनुभाग को अनुसंधान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा कहा जा सकता है क्योंकि यह विभिन्न स्रोतों से एकत्रित जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए शोधकर्ता द्वारा नियोजित प्रमुख उपकरणों और तकनीकों पर प्रकाश डालता है।

इस खंड में, शोधकर्ता इसका तरीका समझाने का प्रयास करता है कि वैध और उपयुक्त निष्कर्ष प्राप्त करने के लिए किस डेटा का मूल्यांकन किया जाएगा। डेटा विश्लेषण का एक अन्य उद्देश्य विभिन्न चरों के बीच संबंध की पहचान करना और पूर्वानुमान लगाना है। परिणाम डेटा विश्लेषण की तकनीकों को दो मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है जो डेटा विश्लेषण की गुणात्मक और मात्रात्मक विधि हैं।

5. सीमाएँ और भविष्य के कार्य

वर्तमान अध्ययन से यह कहा जा सकता है कि इकोटूरिज्म एक बहुत ही संभावित अवधारणा है और यह भारत के संपूर्ण यात्रा और पर्यटन उद्योग को पर्याप्त विकास प्रदान करेगा। हालाँकि, अध्ययन दर्शाता है कि इस अवधारणा को अधिक लोकप्रिय बनाने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कुछ सुधार किए जाने की आवश्यकता है। सिफारिशों के रूप में सुधार इस प्रकार हैं:—

1. देश के भीतर इकोटूरिज्म स्थलों के विपणन और प्रचार के संदर्भ में और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसके पीछे तर्क यह है कि अभी भी अधिकांश यात्रियों और पर्यटकों को भारत में इकोटूरिज्म की अवधारणा और संबंधित स्थलों के बारे में जानकारी नहीं है।
2. इकोटूरिज्म गंतव्य के भीतर रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के संदर्भ में और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। यह कहा जा सकता है कि सरकार और अन्य हितधारक प्रभावी रणनीति विकसित करने के लिए एक साथ आ सकते हैं जिसके माध्यम से साइटों के साथ रोजगार के अधिक अवसर पैदा किए जा सकते हैं।
3. स्थानीय समुदायों, संस्कृति और पर्यावरण की सुरक्षा के संबंध में सख्त कानून और नियम विकसित किए जाने चाहिए। ऐसा देखा गया है कि अधिकांश समय यात्री एवं पर्यटक गंतव्य स्थल पर कूड़ा-कचरा एवं अन्य संबंधित चीजें फेंककर उसे प्रदूषित कर देते हैं। इन गतिविधियों और प्रथाओं के कारण कई स्थानों की प्राकृतिक सुंदरता

का शोषण हो रहा है। सख्त कानून और जुर्माना/दंड लगाने से इकोटूरिज्म स्थलों को सभी प्रकार के कचरे से मुक्त बनाने में मदद मिल सकती है।

4. सरकार, पर्यटन प्राधिकरण और अन्य संबंधित हितधारकों को गंतव्य के भीतर समग्र बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने में अपने प्रयासों और संसाधनों को एकीकृत करना चाहिए। इसके अलावा, गंतव्यों के भीतर भोजन और आवास सुविधाओं के संबंध में भी सुधार किया जा सकता है।

5. टूर गाइड का सुझाव है कि स्थानीय लोगों को सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन के मूल्य को बढ़ाने में अधिक भाग लेना चाहिए। इससे पर्यटकों को शहरी और ग्रामीण पर्यटन की ओर भी आकर्षित किया जा सकता है। स्थानीय लोगों की भागीदारी विभिन्न प्रकार के ज्ञान प्रदान करके आगंतुकों को संतुष्ट करने के विचार को दर्शा सकती है।

6. टूर ऑपरेटर का सुझाव है कि जब पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन पहलुओं के बारे में सटीक और सही जानकारी दी जाए तो मौखिक प्रचार की सुविधा मिल सकती है। इसके अलावा, पर्यटकों को भारत के विविध स्थलों की सुरक्षा के उद्देश्य से विकसित किए जा रहे सभी कानूनों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

7. भारतीय निवासियों का सुझाव है कि स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण संतुलन पर अधिक जोर देना चाहिए ताकि हरित प्रयासों को बढ़ाया जा सके। इस संबंध में, उन्हें अनुशंसा की जाती है कि वे राज्य की हरियाली की रक्षा के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा के लिए कदम उठाएं। इससे देश में वनों की कटाई के स्तर में भी कमी आएगी।

संदर्भ

1. Abraham, B., Nagarajan, K. and Thottunkel, A.K., 2021. *Ecotourism Economics and Environment*. Educreation Publishing.
2. Adak, B., 2022. *Wildlife sanctuaries and national parks face restrictions as Indiagovernment promotes 'eco-tourism'*. [Online]. Accessed through

- <<http://www.dailymail.co.uk/indiahome/indianews/article-4280218/Indian-governmentpromotes-eco-tourism-national-parks.html>>.[Accessed on 24th Oct 2022].
3. Adak, B. 2022. [Online]. Available through:<<http://www.dailymail.co.uk/indiahome/indianews/article-4280218/Indian-governmentpromotes-eco-tourism-national-parks.html>>. [Accessed on 22nd October, 2022].
4. Andhra Pradesh Forest Development Corporation Ltd. 2022. [Online]. Available through:<<http://apfdc.gov.in/node/1562>>. Accessed on 5th October 2022].
5. Anishchenko, M., 2021. Ecotourists' motivation and its relation to the ecotourism's principles.
6. Asadi, A. and Kohan, M.F.Z., 2018. The role of Entrepreneurship on Ecotourism development. In *International Conference on Sociality and Economics Development. Singapore*.
7. Ashok, S., Tewari, H.R., Behera, M.D. and Majumdar, A., 2022. Development of ecotourism sustainability assessment framework employing Delphi, C&I and participatory methods: a case study of KBR, West Sikkim, India. *Tourism Management Perspectives*, 21, pp.24-41.
8. Aswani, S., Diedrich, A. and Currier, K., 2019. Planning for the future: mapping anticipated environmental and social impacts in a nascent tourism destination. *Society & Natural Resources*, 28(7), pp.703-719.
9. Ballantyne, R. and Packer, J., 2018. *International handbook on ecotourism*. Edward Elgar Publishing.
10. Bennett, N.J. and Dearden, P., 2019. Why local people do not support conservation: community perceptions of marine protected area livelihood impacts, governance and management in Thailand. *Marine Policy*, 44, pp.107-116.
11. Best Eco Tourism Destinations in India., 2022. [Online]. Available through: <http://www.indiamarks.com/best-eco-tourism-destinations-india/>>.[Accessed on 5th October 2022].
12. Bhalla, P., Bhattacharya, P. and Gupta, N.C., 2019. Sound levels assessment in an ecotourism destination: A case study on Binsar Wildlife Sanctuary of Indian Himalayan Region. *Int J Scie Res Public*, 5, pp.1-7.

13. Carreira, V.A. and do Amaral, P.B., 2022. 28 Ecotourism and interdisciplinary skills. *Handbook of Teaching and Learning in Tourism*, p.416.
14. Chand, S., Singh, S., Parappurathu, S., Roy, S.D. and Kumar, A., 2019. Explaining the status and scope of ecotourism development for livelihood security: Andaman and Nicobar Islands, India. *International Journal of Sustainable Development & World Ecology*, 22(4), pp.335-345
15. Chandra, A., 2022. 10 States That Are Promoting Ecotourism In India & Encouraging Responsible Travel. [Online]. Available through: <<http://traveltriangle.com/blog/ecotourism-in-india/>>. [Accessed on 4th October 2022].
16. Chen, Y.S. and Liu, L.W., 2022. Interaction and Integration of Cultural Inheritance, Ecotourism, and Industrial Development. *International Review for Spatial Planning and Sustainable Development*, 5(3), pp.66-78.
17. Chitre, S., 2019. Coastal ecotourism in India A case study of Veraval-a coastal town in Gujarat. *The Business & Management Review*, 5(4), p.223.).
18. Chiutsi, S, Mukoroverwa, M. Karigambe, P and Mudzengi, K. B, 2018. *The theory and practice of ecotourism in Southern Africa*. [PDF]. Accessed through <http://www.academicjournals.org/article/article1379504436_Chiutsi%20et%20al%20pdf.pdf> .[Accessed on 4th October 2022].
19. Clements, T. and Milner Gulland, E.J., 2019. Impact of payments - for environmental services and protected areas on local livelihoods and forest conservation in northern Cambodia. *Conservation Biology*, 29(1), pp.78-87.
20. Costa, F.W.D. and Furtado, M.L.S., 2019. Units of use of landscape for practice in ecotourism the Marine Extractive Reserve in Cururupu (MA, Brazil). *Revista Brasileira de Ecoturismo*, 8(4), pp.482-499.
21. Curtin, S. and Kragh, G., 2019. Wildlife tourism: Reconnecting people with nature. *Human dimensions of wildlife*, 19(6), pp.545-554
22. Das, D. and Hussain, I., 2021. Does ecotourism affect economic welfare? Evidence from Kaziranga National Park, India. *Journal of Ecotourism*, 15(3), pp.241-260.
23. Das, S., 2019. [Online]. Available through: <<https://www.tourmyindia.com/blog/best-ecotourism->

destinations-india/>. [Accessed on 5thOctober 2022].

24. De Vos, A., Cumming, G.S., Moore, C.A., Maciejewski, K. and Duckworth, G., 2021. The

relevance of spatial variation in ecotourism attributes for the economic sustainability of protected areas. *Ecosphere*, 7(2).

25. Dejene, S.W., Seyoum, H. and Ready, R.U., 2019. ecotourism potential and its role for sustainable development and livelihood in Awash National Park, Ethiopia. *Int J SciRes*, 3(12), pp.792-796.

26. *Demand for tourism in India*. 2017. [Online]. Available through:

<<https://www.projectguru.in/publications/the-demand-for-tourism-in-india/>>. [Accessed on

24thOctober 2022].

27. Dewda, R., 2021. [Online]. Available through:

<<https://www.triphobo.com/blog/ecotourismin-india>>. Accessed on 5thOctober 2022].

28. Eco-tourism, 2022. [Online]. Available through

:<<https://incredibleindia.org/index.php/tradenav/latest-news/1740-eco-tourism>>.

[Accessed on 22nd October, 2022].

29. Eshun, G., Adjei, P.O.W., KNUST, K. and Segbefia, A.Y., 2021. 'Beyond Business as Usual': Implications of Tourist Experiences for Ecotourism Development.

30. *Galgibaga- Turtle Beach in South Goa*, 2022.[Online]. Available

through<<https://www.thegoavilla.com/goa/beaches/galjibaga-beach.html>>. [Accessed on 22nd Oct 2022].